तीसरा अध्याय

परमेश्वर की ओर से प्राप्त हुई पुस्तक

प्रश्न ७६

काव्य की पुस्तकों में से कौन सी पुस्तक व्यावहारिक बुद्धि के विषय युवकों को सफल होने की परामर्ष देती है ?

(क) अय्यूब
(ख) भजन संहिता
(ग) नीति वचन
(घ) सभोप देशक
(ड़) श्रेष्ठ गीत

प्रश्न १३७

बाइबल का प्र·····बहुत बातों में दिखाई देता है : यानी बैबल की प्रतीज्ञाओं पर आधारित अद्‌भुत रूप से चंगाई, मद्यपान से मुक्ति, जीवन परिवर्तन तथा प्रार्थनाओं के मिले असंख्य उत्तर में । इन प्र·····ों को देखकर हम समझते हैं कि ये प्रतिज्ञाएं परमेश्वर की ओर से हैं ।

पवित्र बाइबल

पवित्र बाइबल एक तरह से ६६ पुस्तकों का पुस्तकालय है जो परमेश्वर से हमें मिला है । हम इसे धर्मशास्त्र तथा परमेश्वर का वचन कहते हैं ।

उत्तर ७६

(ग) नीति वचन

काव्य की पुस्तकें

सभोपदेशक की पुस्तक सुलेमान की साक्षी है जिससे पता चलता है कि परमेश्वर के रहित जीवन सवर्था व्यर्थ है । आनन्द , धन, उपलब्धियां, तथा सामर्थ मनुष्य को संतुष्ट नहीं कर सकतीं । मनुष्य को परमेश्वर की सेवा के लिये सृजा गया ।

उत्तर १३७

प्रभावों

प्रभाव

कुछ लोग कहते हैं : "मैं जानता हूँ कि बाइबल प्रेरणा युक्त है, क्योंकि इससे हमें प्रेरणा मिलती है ।"

परमेश्वर बाइबल के माध्यम से हमसे बोलता है, जीवन को बदलता है, तथा राष्ट्रों का नैतिक स्तर ऊपर उठाता है ।

प्रश्न १७

बाइबल में कितनी पुस्तकें हैं ?

(क) सत्ताइस

(ख) उनतालीस

(ग) छियासठ

(घ) चौहत्तर

प्रश्न ७७

सभोपदेशक भौतिकवाद पर आधारित पुस्तक है जो हमें बताती है कि

(क) सुख-समृद्धि से आनन्द मिलता है ।

(ख) दूसरों का कार्य करने से आनन्द मिलता है ।

(ग) मनुष्य को परमेश्वर की सेवा के लिये रचा गया है तथा अन्य किसी वस्तु से वह संतुष्ट नहीं हो सकता ।

प्रश्न १३८

बाइबल पढ़ने का प्रभाव (जिससे जीवन बदल जाते हैं, समुदायों में उन्नति होती है, और पवित्रता बढ़ती है) इस बात का प्रमाण है कि बाइबल :

(क) परमेश्वर की पुस्तक है जो इन बातों के बारे में बताती है।

(ख) एक पाखण्ड है ।

(ग) किसी भी अन्य पुस्तक की तरह है ।

उत्तर १७

(ग) छियासठ

पवित्र बाइबल

बाइबल से हमारा मतलब "पुस्तकों" से है। "पवित्र" कहने से हमारा अभिप्राय है कि हम किसी वस्तु का आदर करते हैं क्योंकि यह परमेश्वर से संबंधित है।

उत्तर ७७

(ग) मनुष्य को परमेश्वर की सेवा के लिये रचा गया है, तथा अन्य किसी वस्तु से वह संतुष्ट नहीं हो सकता।

काव्य की पुस्तकें

श्रेष्ठ गीत एक नाटकीय गीत है। यह नववधू तथा वर के बीच के प्रेम की चर्चा करता है जिसका अभिप्राय परमेश्वर के अपने लोगों के लिये प्रेम करने से है।

उत्तर १३८

(क) परमेश्वर की पुस्तक है जो इन बातों के बारे में बताती है।

प्रभाव

मान लीजिए कि आपको अपने किसी मित्र का हस्ताक्षर किया हुआ पत्र मिले जिसमें उसने आपको बस अड्डे पर किसी नियत समय पर मिलने को कहा हो। आप वहाँ पहुँचे और वह भी आ जाएं। क्या आप यह शंका करेंगे कि उसने वह पत्र लिखा भी था या नहीं ?

प्रश्न १८

परमेश्वर से सम्बन्धित पुस्तकों को "पवित्र धर्म शास्त्र" कहने का अभिप्राय :

(क) यह सन्तों की पुस्तकें हैं ।

(ख) दो प्राचीन पुस्तकें हैं ।

(ग) वे पुस्तकें है जिनका संबन्ध परमेश्वर से है ।

प्रश्न ७८

काव्य की पुस्तकों के नाम लिखें । उस प्रेम के गीत को रेखांकित कर दें जो परमेश्वर तथा उसके लोगों के प्रति प्रेम अथवा प्रभु मसीह तथा कलीसिया के प्रति प्रेम को दर्शाता है ।

प्रश्न १३६

उन लोगों का अनुभव जिनकी बाइबल में दिये गये निर्देशों का पालन करने से परमेश्वर से भेंट हो चुकी हो इस बात का प्रमाण है कि

(क) कुछ बातों की व्याख्या करना कठिन है ।

(ख) परमेश्वर ने निर्देश दिये हैं ।

(ग) विचित्र संयोग की संभावना है ।

उत्तर १८	ईश्वरीय प्रेरणा
(ग) वे पुस्तकें हैं जिनका संबन्ध परमेश्वर से है ।	ये ६६ पुस्तकें पवित्र हैं क्योंकि ये परमेश्वर की प्रेरणा से रची गईं । "हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है ।" २ तीमुथियुस ३ : १६

उत्तर ७८	भविष्यद्वाणी की पुस्तकें
अय्यूब भजन संहिता नीति वचन सभोपदेशक श्रेष्ठ गीत	परमेश्वर ने भविष्यद्वाणिओं को भविष्य में होने वाली बातों का दर्शन चलचित्र में दिखलाए जाने वाले चित्रों की तरह कराया। भविष्य द्वक्ताओं ने इन प्रकाशनों को लिखा तथा परमेश्वर के संदेश को लोगों तक पहुँचाया ।

उत्तर १३९	प्रभाव
(ख) परमेश्वर ने निर्देश दिये हैं ।	लोग बाइबल पर विश्वास करते हैं क्योंकि वे देखते हैं कि जीवन के विषय इसके सूत्र सही है तथा उसकी चेतावनी और प्रतिज्ञा पूरी हो जाती हैं ।

कार्य १९

कंठस्थ करें :

"क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई, पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।" २ पतरस १ : २१

प्रश्न ७९

भविष्यद्वाणी की पुस्तकों ने अनेक राष्ट्रों के विषय बिलकुल सही भविष्यद्वाणी की क्योंकि भविष्यद्वक्ताओं ने :—

(क) बहुत प्रभावशाली जादुगरी का प्रयोग किया।

(ख) राजनैतिक गतिविधियों का अध्ययन करके आने वाली घटनाओं के विषय बताया।

(ग) परमेश्वर की ओर से प्रकाशन प्राप्त किया।

कार्य १४०

मरकुस १६:१४-२० को पढ़ें तथा अपनी बाइबल में २० वें पद को रेखांकित कर लें।

"और उन्होंने निकल कर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होते थे वचन को दृढ़ करता रहा।" मरकुस १६ : २०

ईश्वरीय प्रेरणा

लगभग ४० लोगों ने ईश्वरीय प्रेरणा प्राप्त कर बाइबल को लिखा। इसका अर्थ यह है कि पवित्र-आत्मा की ओर से उन्हें वही शब्द और विचार मिले जो परमेश्वर चाहता था कि लिखे जाएं।

उत्तर ७६

(ग) परमेश्वर की ओर से प्रकाशन प्राप्त किया

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

प्रमुख भविष्यद्वक्ता कहलाने का कारण उनकी पुस्तक की लम्बाई, अधिक सेवा काल, तथा उनका अधिक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव है।

विविधता तथा एकता

विषयों में एकता तथा समानता का पाया जाना जबकि उन्हें विविध लेखकों ने लिखा है इस बात का प्रमाण है कि वे सब परमेश्वर के द्वारा प्रेरित किये गये थे।

प्रश्न २०

जब हम पवित्र शास्त्र को परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया कहते हैं तो हम इस बात पर बल डालते हैं कि

(क) यह हमें परमेश्वर के विषय बतलाता है ।

(ख) परमेश्वर ने लिखने वालों को वही बताया जो उनको लिखना था ।

(ग) परमेश्वर इसके माध्यम से हमसे बातचीत करता है ।

कार्य ८०

बाइबल में प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों पर ध्यान दें : यशायाह, यिर्मयाह, विलापगीत, यहेजकेल तथा दानिय्येल । छोटे भविष्यद्वक्ताओं की सब पुस्तकें मिलाने के बाद भी वे लम्बाई में प्रमुख यशायाह की पुस्तक के बराबर नहीं हैं । सभी प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों को बाइबल में से तलाश करने का अभ्यास करें ।

प्रश्न १४१

उसकी चेतावनी और प्रतिज्ञाएं पूरी होती हैं ।

सोचिये : बैबल ४० व्यक्तियों द्वारा लिखी गई —वकील, वैद्य, मछुए, किसान, कवि, सैनिक, व्यापारी तथा गड़रिये । उन के विचारों की वि·····को देखते हुए उन के द्वारा लिखी गई पुस्तक में एकता तथा समानता का होना एक आश्चर्य है ।

उत्तर २०

(ख) परमेश्वर ने लिखने वालों को वही बताया जो उनको लिखना था ।

ईश्वरीय प्रेरणा

पहली पुस्तकें प्रभु यीशु के जन्म से लगभग १,५०० वर्ष पूर्व लिखी गईं । अन्तिम पुस्तक प्रभु यीशु के जन्म के १०० वर्ष बाद लिखी गईं ।

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

प्रभु यीशु के जन्म से सात सौ वर्ष पूर्व **यशायाह** ने उसके क्वांरी स्त्री से जन्म होने के विषय भविष्यद्वाणी की थी । उसने उसकी हमारे पापों के लिये मृत्यु तथा जी उठने के विषय भी भविष्यद्वाणी की थी ।

उत्तर १४१

विविधता

विविधता तथा एकता

इस पुस्तक के ऊपरी खण्डों का पृष्ठ ४६ से लेकर ५५ तक पुनः निरीक्षण करें । क्या आप इसकी अपेक्षा कल्पना कर सकते हैं कि ४० लेखकों के अलग अलग विचारों के लेख को इकट्ठा करने से कैसी पुस्तक बनेगी ?

प्रश्न २१

बाइबल की पहली पुस्तक के लिखे जाने से लेकर अन्तिम पुस्तक के लिखे जाने तक कितने वर्ष का समय था ?

(क) लगभग ५० वर्ष

(ख) लगभग ५० वर्ष

(ग) लगभग १,६०० वर्ष

प्रश्न ८१

वह कौन सा प्रमुख भविष्यद्वक्ता था जिसने प्रभु यीशु के जन्म से ७०० वर्ष पूर्व अनेक भविष्यद्वाणियां कीं जो प्रभु यीशु के जीवन काल के समय पूरी हुई ?

(क) यशायाह (ग) यहेजकेल

(ख) यिर्मयाह (घ) दानिय्येल

प्रश्न १४२

प्रमाणों के नाम के रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

प्र.....

वि.....तथा ए.....

त्रुटिहीनता
खोज
श्रेष्ठता
लेखक का नाम
भविष्यद्वाणी का पूरा होना
विकल्पों का अस्वीकार करना
स्थिरता

उत्तर २१ लगभग १,६०० वर्ष	**ईश्वरीय प्रेरणा** इन ४० लेखकों में राजा और मछुए, मजदूर, और राजनीतिज्ञ, सैनिक और याजक, किसान, कवि तथा व्यापारी सम्मिलित थे ।
उत्तर ८१ (क) यशायाह	**प्रमुख भविष्यद्वक्ता** यशायाह तथा यिर्मयाह ने बाबुल की दास्ता के विषय पहले ही भविष्यद्वाणी की थी । यिर्मयाह ने लिखा था कि ७० वर्ष के बाद इब्रानी अपने देश को वापिस लौटेंगे ।
उत्तर १४२ प्रभाव विविधता एकता	**त्रुटि हीनता** बाइबल की त्रुटिहीनता से हमारा अभिप्राय उस में गलतियों का न होने और उसकी घटी घटनाओं, लोगों, स्थानों, वंशावलियों, सामाजिक परम्पराओं, तथा राजनैतिक उतार-चढ़ाव आदि की ऐतिहासिक सत्यता के पाया जाने से है ।

प्रश्न २२

परमेश्वर ने किन लोगों को बाइबल लिखने के लिये प्रेरित किया ?

(क) ४० लोग जिन्होंने एक साथ मिलकर काम किया ।

(ख) ५० याजक तथा भविष्यद्वक्ता

(ग) ६६ किसान और राजनीतिज्ञ ।

(घ) ४० लोग जो विभिन्न व्यापारों तथा विभिन्न समय के थे ।

कार्य ८२

यशायाह की भविष्यद्वाणी इब्रानी बंधुआई से १०० वर्ष पहले या उससे पूर्व की गई थी । यशायाह ४४:२८, यिर्मयाह २५:११ तथा २ इतिहास ३६:२२ पढ़ें । बाबुल के कुस्रू राजा की राजाज्ञा इब्रानियों की बंधुआई के सत्तर वर्ष बाद यिर्मयाह की भावष्यद्वाणी के अनुसार हुई ।

प्रश्न १४३

परिकल्पनाएं तथा कहानियां ऐतिहासिक रूप में सही नहीं होते परन्तु बाइबल है । बाइबल की त्रुटिहीनता इस बात का प्रमाण है कि :

(क) यह हमारे विश्वास के योग्य है ।

(ख) यह परिकल्पनाओं तथा कहानियों का संग्रह है ।

उत्तर २२

(घ) ४० लोग जो विभिन्न व्यापारों तथा विभिन्न समय के थे ।

ईश्वरीय प्रेरणा

इन ४० लेखकों के लेख में एक ही संदेश था : परमेश्वर और मनुष्य के बीच संबंध । वे सब एक मत के थे क्योंकि परमेश्वर ने हर लेखक को बताया कि उसे क्या लिखना है ।

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

यरूशलेम के विनाश होने पर थिर्मयाह द्वारा करी गई बहुत सी भविष्यद्वणियां पूरी हुईं । उसने इनको पांच शोक की कविताओं में उल्लेख किया है जिन्हें **विलापगीत** के नाम से जाना जाता है ।

उत्तर १४३

(क) हमारे विश्वास के योग्य है ।

त्रुटि हीनता

परमेश्वर ने लेखकों को उनके समय के गलत विश्वासों को बाइबल में लिखने से रोक रखा । परमेश्वर ने बाइबल त्रुटि से मुक्त रखा । बाइबल की परामर्श आज भी व्यावाहरिक है ।

प्रश्न २३

ये लोग यद्यपि विभिन्न वर्गों तथा संस्कृति के थे फिर भी उनके विषय में समानता थी। उनमें परस्पर विरोध न होने का कारण यह है कि :

(क) वास्तविक लेखक तो परमेश्वर था, अतः उन्होंने वही लिखा जो परमेश्वर ने उन्हें बताया।

(ख) हर एक लेखक बाद वाले के लिये निर्देश छोड़ता गया।

प्रश्न ८३

यिर्मयाह द्वारा लिखी गई वह कौन सी पुस्तक है जिसमें यरूशलेम के विनाश की चर्चा है तथा जिसकी गणना काव्य की पुस्तकों में न कर प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक में की जाती है ?

(क) नीतिवचन (ग) यिर्मयाह

(ख) सभोपदेशक (घ) विलापगीत

प्रश्न १४४

ज्ञान के बढ़ने के साथ भ्रमपूर्ण विचारों की पहचान हो जाती है। पुस्तकों को बदलना पड़ता है। परन्तु बाइबल को बदलने की आवश्यकता नहीं होती। इसके लेखकों में भी अपने समय के बहुत से भ्रामक विचार थे परन्तु प·····ने उन्हें उन भ्रामक विचारों या त्रुटियों को बाइबल में लिखने से रोके रखा।

उत्तर २३

वास्तविक लेखक तो परमेश्वर था, अतः उन्होंने वही लिखा जो परमेश्वर ने उन्हें बताया ।

दो नियम

नियम का अर्थ समझौते, संधि, अथवा वाचा से है । बाइबल दो नियमों में बंटा है– पुराना तथा नया । उसमें वह वाचाएं हैं जो परमेश्वर ने मनुष्य के साथ बान्धी ।

उत्तर ८३

(घ) विलाप गीत

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

यहेजकेल तथा दानिय्येल निर्वासित भविष्यद्वक्ता थे । उन्होंने इब्रानियों के ७० वर्ष की बाबुल की बन्धुआई काल में भविष्यद्वाणी की ।

उत्तर १४४

परमेश्वर

त्रुटि हीनता

यद्यपि दो लेखकों के एक ही विचार होता नहीं परन्तु परमेश्वर ने बाइबल के किसी लेखक को कोई विचार एक दूसरे लेखक के विचार से विपरीत लिखने नहीं दिया जबकि वे अपने विषय के विविध पहलुओं को प्रदर्शित कर रहे थे ।

प्रश्न २४

पुराना तथा नया नियम उस इतिहास और शर्तों की चर्चा करते हैं :

(क) जो परमेश्वर ने मनुष्य के साथ बान्धीं ।

(ख) जो मिस्र तथा इस्राएलियों के बीच की वाचा के रूप में बंधी ।

(ग) जो प्राचीन राजाओं के वसीयतनामे थे ।

(घ) जो मनुष्य के धार्मिक विकास से संबन्ध रखती है ।

प्रश्न ८४

भविष्यद्वक्ता ये बाबुल की बन्धुआई में थे तथा निर्वासित काल में इब्रानियों को प्रचार किया :

(क) यशायाह तथा यिर्मयाह

(ख) यहेजकेल तथा दानिय्येल

(ग) होशे, योएल, तथा आमोस

(घ) योना, मीका तथा नहूम

प्रश्न १४५

बाइबल में परस्पर विचारों में विरोध न होना इसकी तु··········· की पहिचान है। यह इस बात का भी प्र·········है कि परमेश्वर ने लेखकों को अपनी बात लिखने के लिये प्रेरित किया ।

उत्तर २४	दो नियम
(क) जो परमेश्वर ने मनुष्य के साथ बान्धी	पुराना नियम यहूदियों को दिया गया । यहूदी, इब्रानी अथवा इस्राएली भी कहलाते हैं । परमेश्वर ने इनको अपनी सच्चाई प्राप्त करने, लिखने, तथा दूसरों तक पहुँचाने के लिये चुना ।

उत्तर ८४	प्रमुख भविष्यद्वक्ता
(ख) यहेजकेल तथा दानिय्येल	दानिय्येल एक बन्धक इब्रानी राजकुमार था जो बाद में बाबुल के राज्य का प्रधान मंत्री बना । राज्यों के उत्थान तथा पतन के विषय उसकी अचूक भविष्यद्वाणी आश्चर्य चकित कर देती हैं ।

उत्तर १४५	त्रुटि हीनता
त्रुटिहीनता प्रमाण	सामान्य इतिहास की पुस्तकों में कुछ त्रुटियां होने का कारण यह है कि लेखकों ने अपने पराक्रमी पुरुषों तथा उनके राष्ट्रों की कमियों के छुपाने हेतु पक्षपात किया । बाइबल निष्पक्ष तथा सच्चा है, केवल परमेश्वर के दृष्टिकोण को दिखाता है ।

प्रश्न २५

किन लोगों को पुराने नियम में परमेश्वर का प्रकाशन और वाचा प्राप्त करने के लिये चुना गया ?

(क) इब्रानी

(ख) मसीही

(ग) पिलिश्ती

प्रश्न ८५

प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पांच पुस्तकों के नाम लिखें । उस बन्धक राजकुमार के नाम को रेखांकित कर दें जो प्रधान मंत्री बना ।

प्रश्न १४६

इब्रानी इतिहास के रूप में बाइबल इब्रानियों के पराक्रमी पुरुषों तथा उन के राष्ट्र के पाप और दण्ड का लेख देती है ।

इस लिखने का तरीका

(क) इतिहास की विशेषता है ।

(ख) यह बाइबल की पहिचान है तथा इस बात का प्रमाण है कि यह परमेश्वर के दृष्टिकोण के अनुरूप लिखी गयी ।

उत्तर २५	दो नियम
(क) इब्रानी	पुराना नियम परमेश्वर के मनुष्य के साथ संबन्ध के इतिहास को सृष्टि से लेकर उद्धारकर्ता के आने और उसके द्वारा नई बाचा के स्थापित करने की शर्तों की चर्चा करता है ।

उत्तर ८५	सामान्य भविष्यद्वक्ता
यशाया यिर्मयाह विलापगीत यहेजकेल दानिय्येल	सामान्य भविष्यद्वक्ताओं में से पहले नौ बन्धुई से पूर्व रहे थे । अन्तिम तीन यहूदियों के बाबुल से लौटने के बाद रहे ।

उत्तर १४६	खोज
(ख) यह बाइबल की पहिचान है तथा इस बात का प्रमाण है कि यह परमेश्वर के दृष्टि कोण के अनुरूप लिखी गयी ।	आधुनिक विद्वानों ने कहा कि बाइबल में उल्लेखित अनेकों घटनाओं की चर्चा त्रुटिपूर्ण है क्योंकि उनका कोई भी ब्योरा इतिहास में नहीं मिलता ।

प्रश्न २६

पुराने नियम में परमेश्वर तथा मनुष्य के बीच के संबन्धों की शर्तें लागू थीं

(क) बिना किसी परिवर्तन के हमेशा तक ।

(ख) जब तक परमेश्वर ने अपने पुत्र को उद्धारकर्त्ता के रूप में मनुष्य के बीच एक नई वाचा स्थापित करने और शर्तों को पूरा करने के लिये नहीं भेजा ।

कार्य ८६

दी गई सामान्य भविष्यद्वक्ताओं की सूची को उतार लें । इसके बाद इन पुस्तकों को अपनी बाइबल में तलाश करें :

होशे	योना	सपन्याह
योएल	मीका	हाग्गै
आमोस	नहूम	जकर्याह
ओबद्याह	हबक्कूक	मलाकी

प्रश्न १४७

आधुनिक विद्वानों ने बाइबल के कुछ विवरणों को त्रुटिपूर्ण, या कहानियां मात्र कहा है क्योंकि

(क) वे विश्व इतिहास के साथ मेल नहीं खातीं ।

(ख) अन्य उपलब्ध इतिहास में उनकी कोई चर्चा नहीं है ।

(ग) वे अत्याधिक काल्पनिक हैं ।

उत्तर २६

(ख) जब तक परमेश्वर ने अपने पुत्र को उद्धार-कर्ता के रूप में मनुष्य के बीच एक नई वाचा स्थापित करने और शर्तों को पूरा करने के लिये नहीं भेजा ।

दो नियम

नया नियम नये वाचा के इतिहास और शर्तें की चर्चा करता है जो परमेश्वर ने उन सब लोगों के साथ बान्धी है जिन्होंने उसके पुत्र, प्रभु यीशु को अपने उद्धार कर्ता के रूप में ग्रहण कर लिया है ।

सामान्य भविष्यद्वक्ता

होशे ने परमेश्वर के प्रेम का उसके लोगों के लिये वैसे ही प्रचार किया जैसे कोई पति अपनी अविश्वासी पत्नी के लिये करता है । होशे ने इस बात का उदाहरण अपनी अविश्वासी पत्नी को क्षमा करने से दिया ।

उत्तर १४७

(ख) अन्य उपलब्ध इतिहास में उनकी कोई चर्चा नहीं ।

खोज

पुरातत्व विज्ञान प्राचीन वस्तुओं का आधुनिक विज्ञान है । विशेषज्ञों ने नगरों की खुदाई का कार्य करके लेखों तथा स्मारकों का पता लगाया है जो यह सिद्ध करते हैं कि बाइबल का विवरण ठीक है ।

प्रश्न २७

नियम और शर्तें

वाचा सम्बंन्धी नियमों और शर्तों जो परमेश्वर ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्त्ता के रूप में स्वीकार करने वालों के साथ बान्धी है कहाँ व्यक्त किये जाते हैं ?

(क) पुराने नियम में

(ख) नये नियम में

प्रश्न ८७

किस भविष्यद्वक्ता के प्रचार का सार परमेश्वर का प्रेम है जो उसने अपने अविश्वासी लोगों पर प्रकट किया, और जिस भविष्यद्वक्ता ने स्वयं भी इस तरह के प्रेम का प्रदर्शन अपनी अविश्वासी पत्नी को क्षमा करने से किया ?

(क) यशायाह (ग) यहेजकेल (ङ) होशे (छ) योना
(ख) यिर्मयाह (घ) दानिय्येल (च) आमोस (ज) मीका
(झ) नहूम

प्रश्न १४८

प्राचीन तथा पुराने खण्डहरों की वैज्ञानिक खुदाई तथा प्राप्त लेखों तथा स्मारकों के अध्ययन से बाइबल के इतिहास की सत्यता सिद्ध हो जाती है। वह विज्ञान जिसने इन बातों की खोज की है बताइए :

(क) खगोल विद्या (ग) पुरातत्व विज्ञान

(ख) भूविज्ञान (घ) भाषा विज्ञान

उत्तर २७

(ख) नये नियम में

दो नियम

नया नियम पुराने नियम पर आधारित है। यह दोनों समझौतों के सबन्ध की चर्चा करता है और पूराने नियम की बहुत सी पूर्ण हो गई भविष्यवाणियों के विषय में बताता है ।

उत्तर ८७

(ङ) होशे

सामान्य भविष्यद्वक्ता

योएल ने पवित्र आत्मा के उन्डेले जाने की भविष्यद्वाणी की थी जो पिन्तेकुस्त के दिन पूरी हुई तथा इन अन्तिम दिनों में कॉरिस्मेटिक (Charismatic) जागृति के द्वारा पूरी हो रही है ।

उत्तर १४८

(ग) पुरातत्व विज्ञान

खोज

सुलेमान राजा के समय के ढलाई घरों की खोज हो जाने के बाद से ठट्ठा करने वाले लोग बाइबल में उस के धन के बारे में लिखी हुई बातों पर हंसी नहीं कर पाते। अन्य बहुत सी खोजों से बाइबल की सच्चाई का पता लगता जा रहा है ।

कार्य २८

अपने सामने खुले हुए बाइबल के सूची-पत्र को देखकर वह पृष्ठ निकाल लें जहाँ से नया नियम शुरू होता है। वहां से बाइबल को खोलने का अभ्यास करें। पुराना नियम, बाइबल का तीन चौथाई भाग है।

नया नियम केवल एक चौथाई है

प्रश्न तथा कार्य ८८

भविष्यद्वाणी को योएल २:२८,२९ में पढ़ें।
योएल की यह भविष्यद्वाणी किस विषय की चर्चा करती है ?

(क) परमेश्वर का प्रेम और क्षमा।
(ख) पवित्र आत्मा का उन्डेला जाना।
(ग) सामाजिक अन्याय
(घ) निनवे का विनाश

प्रश्न १४९

बाइबल के बहुत से आलोचक अब अपने विवादों में हार गये हैं क्योंकि बहुत से आधुनिक पुरातत्व विज्ञान की ख·····ने बाइबल को सच्चा तथा उन आलोचकों को झूठा सिद्ध कर दिया है।

दो नियम

क्योंकि इस समय हम नये नियम की शर्तों पर विचाराधीन हैं, अतः हम इसे पुराने नियम से पहले पढ़ने का निवेदन करते हैं। यद्यपि पुराने नियम में भी हमारे लिये बहुत से महत्वपूर्ण अध्याय है।

उत्तर ८८

(ख) पवित्र आत्मा का उण्डेला जाना।

सामान्य भविष्यद्वक्ता

आमोस एक गड़रिया था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल की राजधानी में भेजा ताकि वह सामाजिक अन्याय के विरुद्ध प्रचार करे। उसने लोगों को पाप के लिये होने वाले न्याय के बारे में सचेत किया।

उत्तर १४६

खोजों

खोज

चिकित्सा के क्षेत्र में सफाई, खान-पान, तथा मानसिक स्थिति के विषय मिले ज्ञान द्वारा यह पता चल चुका है कि बाइबल में इन विषयों पर दिये गए सुझाव आदर्श तथा स्वास्थ्यवर्धक हैं।

प्रश्न २६

अब हम··········नियम की शर्तों के अन्तर्गत हैं, परन्तु हम सारे बाइबल का अध्ययन करते हैं क्योंकि यह सभी परमेश्वर की ओर से प्रेरित किया गया है। कंठस्थ करें : "परन्तु ये सब बातें, जो उन पर पड़ीं, दृष्टान्त की रीति पर थी : और वे हमारी चेतावनी के लिये जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं लिखी गई हैं।" १ कुरिन्थियों १०:११।

प्रश्न ८६

वह गड़रिया कौन था जो परमेश्वर द्वारा राजधानी में भेजा गया ताकि सामाजिक अन्याय की आलोचना करे तथा इस्राएल को पश्चाताप करने के लिये आग्रह करे ?

(क) होशे
(ख) योएल
(ग) आमोस
(घ) ओबद्याह
(ङ) योना
(च) मीका

प्रश्न १५०

मूसा को इब्रानियों के लिये परमेश्वर की ओर से आहार तथा स्वास्थ्य संबन्धी नियम मिले थे। आधुनिक विज्ञान से यह पता लग चुका है कि वे :

(क) हास्यप्रद तथा हानिकारक थे।

(ख) पहले ज्ञात बातों से कहीं अधिक अच्छे तथा स्वास्थ्य के लिये आदर्श थे।

उत्तर २९

नया

बाइबल की सहभागिता

हमें परमेश्वर के लोगों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिये जिन्होंने परमेश्वर के वचन को प्राप्त किया, उस की सुरक्षा की और अन्य राष्ट्रों के साथ उसकी सहभागिता की।

उत्तर ८९

(ग) आमोस

सामान्य भविष्यद्वक्ता

ओबद्याह की भविष्यद्वाणी एदोम वासियों के न्याय के विषय थी। ओबद्याह की पुस्तक पुराने नियम की सब से छोटी पुस्तक है। इस भविष्यद्वक्ता के विषय में अधिक जानकारी नहीं है।

उत्तर १५०

(ख) पहले ज्ञात बातों से कहीं अधिक अच्छे तथा स्वास्थ्य के लिये आदर्श थे।

खोज

भाषा ज्ञान, जिसमें भाषाओं की जानकारी की जाती है इस बात को प्रमाणित कर दिया है कि बाइबल की भविष्यद्वाणी घटनाओं के घटने से पूर्व लिखी गई थी।

प्रश्न ३०

अपनी बाइबल के लिये हमें किन लोगों का विशेष रूप से आभारी होना चाहिये ?

(क) प्राचीन बाबुल के शास्त्रियों के ।

(ख) परमेश्वर के जनों के जिन्होंने इसे प्राप्त किया, सुरक्षित किया तथा दूसरों के साथ इसकी सहभागिता की ।

(ग) यूनानी दार्शनिकों के ।

प्रश्न ९०

पहले चार सामान्य भविष्यद्वक्ताओं के नाम लिखें । उस भविष्यद्वक्ता को रेखांकित कर दें जिसने एवोम के न्याय के विषय लिखा ।

प्रश्न १५१

बाइबल के शत्रुओं ने यह सिद्ध करने का यत्न किया कि बाइबल की भवियद्वाणियां पाखण्ड थीं, तथा उन घटनाओं के घटने के बाद लिखी गई थीं । भ·····विज्ञान ने इन बातों का विश्लेषण करके यह सिद्ध कर दिया है कि वे सभी भविष्यद्वाणियां प्रमाणिक हैं ।

उत्तर ३०

(ख) परमेश्वर के जनों का जिन्होंने इसे प्राप्त किया, सुरक्षित किया, तथा दूसरों के साथ इसकी सहभागिता की।

बाइबल की सहभागिता

जितनों के पास बाइबल है, परमेश्वर उनसे यही चाहता है कि वे दूसरों के साथ इसकी सहभागिता करें। अतः हम इसका अध्ययन करते हैं, इसको सिखाते हैं और बाइबल की समितियां स्थापित करते हैं जो इसका अनुवाद करती और छापती है।

उत्तर ९०

होशे

योएल

आमोस

ओबद्याह

सामान्य भविष्यद्वक्ता

परमेश्वर ने योना को धर्म-प्रचारक के रूप में नीनवे भेजा, परन्तु उसने भागने की कोशिश की। एक बड़ी मछली के निगल जाने पर उसने पश्चाताप किया और उसके पेट से निकल जाने पर उसने परमेश्वर की आज्ञा मानी।

उत्तर १५१

भाषा विज्ञान

खोज

डेड सी (Dead Sea) में पुरातत्व खोजों से मिले कागजी दस्तावेजों से यह बात निश्चित रूप से प्रमाणित हो चुकी है कि बन्धुई के विषय में लिखी गई भविष्य-द्वाणियां उन घटनाओं के घटने से पहले लिखी गई थीं।

प्रश्न ३१

हम क्यों बाइबल का अध्ययन करते, इसको सिखाते और बाइबल समितियां बनाते हैं ?

(क) क्योंकि कलीसिया में अधिक सदस्य करने का यह अच्छा तरीका है ।

(ख) क्योंकि परमेश्वर उन सब से जिनके पास उसका वचन हैं यही चाहता है कि वे इसकी दूसरों के साथ सहभागिता करें ।

प्रश्न ९१

कौन से भविष्यद्वक्ता ने अनिच्छुक होने पर भी नीनवे जाकर प्रचार किया ?

(क) होशे
(ख) योएल
(ग) आमोस
(घ) ओबद्याह
(ङ) योना
(च) मीका
(छ) नहूम
(ज) हबक्कूक

प्रश्न १५२

पुरातत्व, चिकित्सा ज्ञान, तथा भाषा विज्ञान ने बाइबल की सत्यता को प्रमाणित कर दिया है तथा इसके ईश्वरीय रूप में प्रेरित होने के प्रभावपूर्ण प्रमाण दिये हैं

(क) विषय पर वाद विवाद करने से ।

(ख) अधिक संख्या में मतदान करने से ।

(ग) अपनी वैज्ञानिक खोजों से ।

उत्तर ३१	विभिन्न भाषाओं में अनुवाद
(ख) क्योंकि परमेश्वर उन सबसे जिनके पास उसका वचन है यही चाहता है कि वे इसकी दूसरों के साथ सहभागिता करें ।	परमेश्वर चाहता है कि हर व्यक्ति को बाइबल उसकी भाषा में उपलब्ध हो ताकि वह उसको समझ सके। उसने पुराना नियम इब्रानियों को उनकी ही भाषा में दिया ।

उत्तर ९१	सामान्य भविष्यद्वक्ता
(ङ) योना	मीका भविष्यद्वक्ता ने यीशु मसीह के बारे में एक मुख्य भविष्यद्वाणी की जब कि उसने यीशु का जन्म-स्थल स्पष्ट रीति से बताया । मीका ५:२ और मत्ती २:६ पढ़िये ।

उत्तर १५२	खोज
(ग) अपनी वैज्ञानिक खोजों से	बाइबल के दिनों में किसी मनुष्य को पृथ्वी के गोलाकार होने या वातावरण के ज्वलनशील होने का ज्ञान नहीं था। परन्तु परमेश्वर ने यशायाह तथा पतरस को प्रेरित किया कि वे इन तथ्यों को लिख दें ।

प्रश्न ३२

पवित्र आत्मा की प्रेरणा से पुराने नियम की भाषा

(क) स्वर्गदूतों की भाषा थी

(ख) लैटिन थी

(ग) इब्रानी थी

(घ) अंग्रेजी थी

प्रश्न ९२

भविष्यद्वक्ताओं के सुसंदेश के आधार पर उनके नाम लिखें ।

हो..... परमेश्वर का प्रेम

यो..... पवित्र आत्मा

आ..... सामाजिक अन्याय

ओ..... एदोम का न्याय

यो..... नीनवे का न्याय

मी..... प्रभु यीशु का जन्म स्थल

प्रश्न तथा कार्य १५३

यशायाह ४० : २२ तथा २ पतरस ३:१०-१३ को पढ़ें तथा रेखांकित कर लें । पृथ्वी के गोल होने तथा आकाश के जलाये जाने के उल्लेख से पता चलता है कि

(क) यशायाह एक ज्योतिषी था तथा पतरस एक अणु वैज्ञानिक

(ख) परमेश्वर ने बाइबल के इन अंशों को प्रेरित किया ।

उत्तर ३२

(ग) इब्रानी थी

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

बाद में यूनानी भाषा विश्व में आम तौर पर बोली जाने वाली भाषा बन गई। नया नियम यूनानी भाषा में लिखा गया जिसे साधारण मनुष्य बोलता था।

उत्तर ९२

होशे
योएल
आमोस
ओबद्याह
योना
मीका

सामान्य भविष्यद्वक्ता

योना के प्रचार करने पर नीनवे के लोगों ने पश्चाताप किया। जब उन्होंने फिर से अपनी बुराई को अपना लिया परमेश्वर ने नहूम को भेजा ताकि वह आने पर न्याय तथा नीनवे के विनाश के विषय उन्हें चेतावनी दे।

उत्तर १५३

(ख) परमेश्वर ने बाइबल के इन अंशों को प्रेरित किया।

श्रेष्ठता

अगर कोई पुस्तक वास्तव में एक बुद्धिमान, पवित्र तथा कृपालु परमेश्वर द्वारा प्रेरित की गई हो तो उसे सब पुस्तकों से श्रेष्ठ होना चाहिये। बाइबल ऐसी ही है।

प्रश्न ३३

साधारण मनुष्य नये नियम को समझ सकें, परमेश्वर ने इसके लिए लेखकों को प्रेरित किया कि वे इसे

(क) इब्रानी में लिखें ।

(ख) विद्वानों द्वारा बोली जाने वाली विशेष युनानी में लिखें।

(ग) आम लोगों द्वारा बोले जाने वाली यूनानी में लिखें ।

प्रश्न ९३

परमेश्वर की ओर से अनेक भविष्यद्वक्ताओं ने परमेश्वर का संदेश दूसरे राष्ट्रों तक पहुँचाया तथा परमेश्वर के प्रेम और देख-रेख के विषय उन्हें अवगत किया ।

नीनवे को धर्म प्रचार के निमित्त किन को भेजा गया ?

(क) योएल तथा आमोस

(ख) योना तथा नहूम

(ग) ओबद्याह तथा मीका

कार्य १५४

सारे साहित्य में कोई दूसरी पुस्तक ऐसी नहीं है जो भजन संहिता में उसकी सुन्दर, शैली पत्रों में उनके उत्कृष्ट विचारों, या प्रभु यीशु द्वारा दिये गये नैतिक शिक्षा के स्तर की बराबरी कर सके ।

कंठस्थ करें :

"किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें न कीं ।" यूहन्ना ७:४६

उत्तर ३३

(ग) आम लोगों द्वारा बोले जाने वाली यूनानी में लिखे

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

हमसे अधिकतर लोग अब इब्रानी तथा यूनानी भाषा नहीं समझते । इस कारण बाइबल का अनुवाद उन सभी भाषाओं में कर दिया गया है जो हम समझते हैं — लगभग १,३०० भाषाओं में ।

उत्तर ९३

(ख) योना तथा नहूम

सामान्य भविष्यद्वक्ता

हबक्कूक तथा सपन्याह ने एक राष्ट्रीय पराजय तथा बन्धुआई के विषय चेतावनी दी जो आनेवाली थी यदि यहूदी पश्चाताप न करें । पर वे अपने पापों से अलग न हुए और बाबुल में बन्धक के रूप चले गए ।

श्रेष्ठता

बाइबल दूसरी पुस्तकों से अपनी व्यापकता में कहीं अधिक श्रेष्ठ है । इसने हर युग, देश, तथा संस्कृति के मनुष्य की आवश्यकता को पूरा किया है ।

प्रश्न ३४

सम्पूर्ण बाइबल, अथवा कम से कम इसकी एक पुस्तक का अनुवाद १,३०० भाषाओं अथवा प्रान्तीय भाषाओं में कर दिया गया है क्योंकि:

(क) परमेश्वर का वचन संसार के हर व्यक्ति के लिये है, वह चाहता है कि वचन उसे उस भाषा में मिले जिसे वह समझता हो ।

(ख) यूनानी बाइबल अधिक मंहगा पड़ता है ।

प्रश्न ९४

ये नौ सामान्य भविष्यद्वक्ता बाबुल की बन्धुआई से पहले रहे थे :

हो····· ओ····· न·····

यो····· यो····· ह·····

आ····· मी····· स·····

प्रश्न १५५

केवल परमेश्वर मनुष्य के हृदय को जानता है तथा ऐसी पुस्तक देने में समर्थ है जो मनुष्य की अभिलाषाओं को संतुष्ट कर सके

(क) प्राचीन समय में तथा पूर्वदेशीय संस्कृति में ।

(ख) जहां कहीं भी इसे किसी भी युग तथा संस्कृति में स्वीकार कर लिया जाये ।

उत्तर ३४	विभिन्न भाषाओं में अनुवाद
(क) परमेश्वर का वचन संसार के हर व्यक्ति के लिये है, वह चाहता है कि वचन उसे उस भाषा में मिले जिसे वह समझता है।	प्रत्येक देश में विद्वान निरंतर अध्ययन से बाइबल के मूल भाषाओं में दिये गए सही ठीक ठीक अर्थ का पता लगाने हेतु प्रयास-शील हैं।
उत्तर ९४	**सामान्य भविष्यद्वक्ता**
होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह	यहूदियों के बाबुल से पलिस्तीन लौट आने पर, परमेश्वर ने हाग्गै तथा यशायाह के द्वारा मन्दिर के पुनः निर्माण के लिये लोगों को प्रेरित किया।
उत्तर १५५	**श्रेष्ठता**
(ख) जहां कहीं भी इसे किसी भी युग तथा संस्कृति में स्वीकार कर लिया जायें।	बाइबल के गहन सत्य का सरल भावों में लिखे होने के कारण बालक भी इसके पढ़ने का आनन्द उठा सकते हैं जबकि विद्वान इसकी गहराई का अनुमान नहीं लगा पाते।

प्रश्न ३५

विभिन्न भाषाओं के विद्वान निरन्तर अध्ययन करके यह मालूम करने का यत्न कर रहे हैं कि :

(क) बाबुल यरूशलेम से कितनी दूर है ।

(ख) नवीन वैज्ञानिक आविष्कार की खोज कैसे करें ।

(ग) मूल भाषाओं में बाइबल का सही अर्थ क्या है ।

प्रश्न ९५

तीन भविष्यद्वक्ताओं में से जो बाबुल की बन्धुआई के बाद रहे, वे कौन से भविष्यद्वक्ता थे जिन्होंने लोगों को मन्दिर के पुनः निर्माण के लिये प्रेरित किया ?

(क) नहूम तथा सपन्याह

(ख) हाग्गै तथा जकर्याह

(ग) यहेजकेल तथा मलाकी

प्रश्न १५६

इस बात में हम बाइबल की श्रेष्ठता देखते हैं :

(क) गहन सत्यों का सरल भावों में प्रस्तुतीकरण ।

(ख) केवल विद्वान इसको पढ़कर इसका आनन्द ले सकते हैं ।

(ग) साधारण सत्यों का गहन प्रस्तुतीकरण ।

उत्तर ३५	विभिन्न भाषाओं में अनुवाद
(ग) मूल भाषाओं में बाइबल का सही अर्थ क्या है ।	आजकल के अनेक अनुवादक अपने अनुवादों में आधुनिक समय में प्रचलित भाषा के वाक्यशैली को प्रयोग कर रहे हैं ताकि सभी लोग बाइबल को सरलता से समझ सकें ।
उत्तर ९५	**सामान्य भविष्यद्वक्ता**
(ख) हाग्गै तथा जकर्याह	मलाकी पुराने नियम का अन्तिम भविष्यद्वक्ता था । यह प्रभु यीशु के जन्म से ४०० वर्ष पूर्व आया । मलाकी ३:८-१२ में उसका दशमांस के विषय दिया संदेश पढ़ें ।
उत्तर १५६	**श्रेष्ठता**
(क) गहन सत्यों का सरल भावों में प्रस्तुतीकरण	अगर आप बाइबल को १०० बार भी पढ़ें, आप को हर बार किसी नई बात से पढ़ने का आनन्द मिलेगा, जिस पर पहले आपका ध्यान न गया होगा । अपनी पुस्तक के द्वारा परमेश्वर आप से बोलता रहता है ।

प्रश्न ३६

अनेक अनुवादों में आधुनिक भाषा के प्रयोग का उद्देश्य यह है कि :

(क) आधुनिक शिक्षक प्रसन्न हों।

(ख) सभी बाइबल को सरलता से समझ सकें।

(ग) पुस्तकों की छपाई करने में सरलता हो।

प्रश्न ९६

जाने वाला इतिहास मलाकी तथा प्रभु यीशु के जन्म के बीच कुछ इतिहासिक पुस्तकों में पाया जाता है जिसको हम अपाक्रिफ़ा (Apocrypha) कहते हैं। इस काल में पुराने नियम तथा नये नियम के बीच कितने वर्षों का अन्तर है ?

(क) ४०

(ख) २५०

(ग) ४००

प्रश्न १५७

वह पुस्तक उत्तम समझी जाएगी जो कई बार पढ़ने के बाद भी अरुचिकर न बने। जो बाइबल को पढ़ते हैं वे जानते हैं कि

(क) दो बार पढ़ने के बाद यह अरूचिकर हो जाती है।

(ख) नये सत्यों तथा आनन्द का अनन्त स्रोत मिल जाता है।

उत्तर ३६

(ख) सभी बाइबल को सरलता से समझ सकें।

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

सभी तरह के अनुवाद चाहे वे पुराने हों अथवा नये, मूल रूप में एक ही हैं। हर एक अनुवाद यूनानी तथा इब्रानी भाषा में प्रयुक्त मूल शब्द का सही अर्थ देने का प्रयास करता है।

उत्तर ९६

(ग) ४००

पुराना नियम

इस तरह से पुराने नियम के विवरण का अन्त हो जाता है जिसमें परमेश्वर के अपने लोगों के साथ किये गए व्यवहार की चर्चा है। वे पुरानी वाचा के अन्तर्गत रहे जबकि वे मसीह के आने तथा परमेश्वर द्वारा किये गये उपाय की प्रतीक्षा करते थे।

उत्तर १५७

(ख) नये सत्यों तथा आनन्द का अनन्त स्रोत।

श्रेष्ठता

बाइबल का अधिकृत प्रकाशन अन्य पुस्तकों में लिखे मनुष्य के विकास के सिद्धान्तों तथा उसके धार्मिक स्वभाव के विषय बताए गये अनुमानों से कहीं अधिक **श्रेष्ठ** है।

प्रश्न ३७

सभी भाषा-अनुवादों के लिये परमेश्वर का धन्यवाद हो। एक दूसरे के तुलनात्मक अध्ययन से हम बाइबल को और अधिक समझ सकते हैं क्योंकि सभी अनुवादक हमें मूल इ····· या यू····· भाषा का सही अर्थ देने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न ९७

सामान्य भविष्यद्वक्ताओं का पुनर्निरीक्षण कर लें जब तक कि आपको उन्हें उसी क्रम में सरलता से दोहराने तथा निकालने का अभ्यास न हो जाए। पुराने नियम की अन्य पुस्तकों का भी पुनर्निरीक्षण कर लें जब तक कि आप उन्हें सरलता से निकालने के लिये अभ्यस्त न हो जायें।

प्रश्न १५८

वह अधिकार तथा विश्वास जो कि बाइबल में उन बातों के विषय मिलता है जो केवल परमेश्वर ही जान सकता है, हमें यह अनुभव कराता है कि

(क) यह अन्य दूसरी पुस्तकों की तरह है जिसमें अनुमान तथा बदलते हुए सिद्धांतों की चर्चा है।

(ख) लेखकों को प्रेरणा मिली थी तथा उन्होंने अनुमान द्वारा नहीं लिखा।

उत्तर ३७

इब्रानी

यूनानी

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

हिन्दी भाषा में सम्पूर्ण बाईबल अथवा बाईबल की पुस्तकों के पृथक अशों को प्राप्त करने के लिये स्थानीय गिरजाघरों या बाईबल समिति से सम्पर्क किया जा सकता है।

छठवाँ अध्याय

नये नियम की पुस्तकें

उत्तर १५८

(ख) लेखकों को प्रेरणा मिली थी और उन्होंने अनुमान द्वारा नहीं लिखा।

श्रेष्ठता

जो नियम तथा व्यवस्था मूसा को परमेश्वर से मिले वे उस समय के सभी नियमों से कहीं अधिक उत्तम थे। आज बहुत सी सरकारें उन्हीं नियमों तथा सिद्धान्तों पर आधारित हैं।